



उत्तर प्रदेश शासन
कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2
संख्या-1368/2026/783/22-2-2026-17(392)/2026
लखनऊ: दिनांक: 06 अक्टूबर, 2026
आदेश

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल, भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी बच्चन (बन्दी संख्या-238/2017) पुत्र स्व० खलील, टिकरी, थाना-मंझनपुर, जनपद-कौशाम्बी का निवासी है, बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-375/1981 में भा०द०वि० की धारा-302/149, 148 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश, इलाहाबाद के दण्डादेश दिनांक 29.04.1983 द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया। मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 26.05.2015 द्वारा एवं मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश दिनांक 08.03.2016 द्वारा बन्दी की अपील निर्णीत करते हुए मा० सत्र न्यायालय द्वारा दी गयी आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा गया, बंदी द्वारा दिनांक 23.03.2026 तक अपरिहार 10 वर्ष 06 माह 18 दिन तथा सपरिहार 12 वर्ष, 07 माह, 24 दिन की सजा भोगी गयी है, संतोषजनक जेल आचरण के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते हैं तथा यह आदेश देते हैं कि यदि उक्त बंदी को किसी अन्य वाद में निरुद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट, कौशाम्बी के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक निजी मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-1368/2026/783(1)/22-2-2026 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ०प्र०।
- 2- जिला मजिस्ट्रेट, कौशाम्बी।
- 3- पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी।
- 4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज।
- 5- निजी सचिव, मा० मंत्री कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा० मंत्री जी के सूचनार्थ।
- 6- निजी सचिव, मा० राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा० मंत्री जी के सूचनार्थ।
- 7- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
अभय कुमार त्रिपाठी
अनु सचिव।